वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 274 शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में हरित सार्वजनिक परिवहन की ऐतिहासिक शुरूआत

गुलाबी नगरी में ई-बसों का ट्रायल आरंभ

पीएम -ई बस सेवा के अंतर्गत प्रदेश के 08 प्रमुख शहरों में कुल 675 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई

जयपुर. कासं

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को सुगम एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने लिए निरंतर कार्यरत है। इसी कड़ी में राजस्थान में स्वच्छ, आधुनिक एवं सतत शहरी परिवहन व्यवस्था को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए पीएम -ई बस सेवा के अंतर्गत प्रदेश के 08 प्रमुख शहरों– जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर एवं अजमेर –में कुल 675 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। शहरवार आवंटन के अनुसार जयपुर को 150, जोधपुर को 100, अजमेर को 100, कोटा को 100, बीकानेर को 75, अलवर को 50, भीलवाड़ा को 50 तथा उदयपुर को 50 ई-बसें प्राप्त होंगी। इन बसों के संचालन से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन बचत एवं शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। जयपुर में प्रथम चरण में प्राप्त होने वाली 150 ई-बसों के नियमित संचालन से पूर्व गुरुवार को 9 मीटर एवं 12 मीटर श्रेणी की बसों का ट्रायल प्रारंभ किया गया है, जो 28 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा। ट्रायल के लिए बस में मिट्टी से भरे कनस्तर एवं थैले रखे गए हैं।

आधुनिक सुविधाओं से लैस बस

9 मीटर ई-बस की बैठने की क्षमता 25 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक सहित है, जबकि 12 मीटर ई-बस में 31 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक के बैठने की व्यवस्था है। ये बसें दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिससे समावेशी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ ही इन बसों में पैनिक बटन, पैसेन्जर डिस्प्ले बोर्ड, स्पीकर, ड्राईवर डिस्प्ले बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, ऑटोमैटिक पेसेन्जर काउन्ट कैमरा आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं ।

अप्रैल से जयपुर में इन ई-बसों का नियमित संचालन प्रस्तावित

इस संबंध में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड(जेसीटीएसएल) द्वारा चयनित फर्म के साथ 07 जुलाई 2025 को अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। अप्रैल 2026 से जयपुर में इन ई-बसों का नियमित संचालन प्रस्तावित है। संचालन हेतु आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण सफल संवेदक द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। ई-बसों के ट्रायल का तकनीकी परीक्षण जेसीटीएसएल एवं सीआरआईटी की विशेषज्ञ टीमों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा, गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता के सभी मानकों की पुष्टि सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार नागरिकों को सुरक्षित, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से राजस्थान के शहरों में हरित परिवहन की नई दिशा स्थापित होगी तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित होगा। ट्रायल के दौरान जेसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह, मुख्य वित्तीय अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

जयपुर शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए 15वें वित्त आयोग से मिले 344.70 करोड़ रुपए

वायु प्रदूषण नियंत्रण पर राज्य सरकार गंभीर: शर्मा

जयपुर. कासं

पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने विधानसभा में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, ई-वाहनों को बढ़ावा देने तथा हरित विकास कार्यों से जयपुर की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान विधायक गुरवीर सिंह के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी देश में ई-व्हीकल्स को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। देश धीरे-धीरे पेट्रो ईंधन आधारित वाहनों से ई-वाहनों की दिशा में अग्रसर हो रहा है। ई-व्हीकल्स के बढ़ते उपयोग से प्रदूषण की समस्या पर लगाम लगेगी। शर्मा ने बताया कि जयपुर शहर में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 21.7 वर्ग किमी भूमि पर पौधारोपण कर हरित पट्टी का विकास किया है। इससे पहले मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में पर्यावरण राज्य मंत्री ने पिछले पांच साल में जयपुर की वायु गुणवत्ता सूचकांक की औसत स्थिति का वर्षवार विवरण तथा प्रदूषण श्रेणियों गुड, सेटिस्फेक्टरी, मोडरेट, पुअर, वेरी पुअर और सीवियर का ब्यौरा सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने जयपुर शहर में स्थापित 6 सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्र से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पीएम 2.5, पीएम 10 तथा अन्य प्रदूषकों के वार्षिक औसत स्तर के वर्षवार विवरण की जानकारी भी सदन को दी। राज्यमंत्री ने कहा कि वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों की पहचान के लिए आईआईटी, कानपुर ने स्त्रोत निर्धारण अध्ययन किया है। इस अध्ययन के अनुसार जयपुर में प्रदूषण के मुख्य स्त्रोतों में सड़क एवं भवन निर्माण के समय फैलने वाली धूल, वाहन व औद्योगिक उत्सर्जन, ठोस अपशिष्ट का दहन तथा डीजल जनरेटर सेटों का उपयोग शामिल है। इन स्त्रोतों से उत्पन्न प्रदूषण के नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अल्पकालिक एवं तात्कालिक कार्यवाही की गई हैं।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 21.7 वर्ग किमी भूमि पर पौधारोपण कर हरित पट्टी का विकास किया

णमोकार तीर्थ पर भक्ति का सैलाब

मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ महामस्तकाभिषेक

चांदवड़/औरंगाबाद. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र 'णमोकार तीर्थ' में आयोजित महामस्तकाभिषेक समारोह अत्यंत उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर देशभर से उमड़े हजारों श्रद्धालुओं ने पंच परमेष्ठी भगवान के अभिषेक और शांतिधारा का पुण्य लाभ अर्जित किया। संपूर्ण कार्यक्रम सरस्वताचार्य श्री देवनंदीजी महाराज, आचार्य श्री अमोघकीर्ति जी एवं श्री अमरकीर्ति जी के पावन सानिध्य और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

धार्मिक विधि-विधान और सौभाग्यशाली परिवार

समारोह की शुरूआत विधि-विधान के साथ मंगलाचरण और मंत्रोच्चार से हुई। प्रथम जलाभिषेक का सौभाग्य सिद्ध परमेष्ठी भगवान के लिए सागर निवासी अभिषेक जैन को प्राप्त हुआ। वहीं, आचार्य परमेष्ठी भगवान के प्रथम अभिषेक का मान केतन शाह को मिला। सौधर्म इंद्र के रूप में प्रकाश जैन और निरज जैन ने पूरी भक्ति के साथ पूजन की समस्त क्रियाएं संपन्न कीं। अरिहंत भगवान के जलाभिषेक का गौरव हैदराबाद के बाबूलालजी, सुनील एवं संजय पहाड़े परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात, सर्वऔषधि अभिषेक करने का सौभाग्य प्रचार-प्रसार संयोजक पारस लोहाड़े, विनोद पाटनी और मनोज साहूजी परिवार को मिला।

मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ परिसर

महामस्तकाभिषेक के दौरान पूरा णमोकार तीर्थ परिसर मंत्रों की दिव्य ध्वनि से गुंजायमान रहा। आयोजन

समिति की ओर से श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति को देखते हुए दर्शन, पूजन और महाप्रसाद की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी। समारोह में आरती और शांतिधारा के समय श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। इस ऐतिहासिक आयोजन ने न केवल जैन समाज में हर्ष का संचार किया, बल्कि क्षेत्र की आध्यात्मिक गरिमा को भी नए शिखर पर पहुँचाया। प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने बताया कि इस आयोजन में देश-विदेश के कई गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिमय वातावरण में इन पावन क्षणों का आनंद लिया।

मानसरोवर में उमड़ा भक्ति का सैलाब

आदिनाथ भवन में नंदीश्वर द्वीप विधान के साथ अष्टान्निका पर्व प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन में इन दिनों धर्म और अध्यात्म की अविरल धारा बह रही है। अष्टान्निका पर्व के पावन अवसर पर मुनि श्री सुंदर सागर जी एवं मुनि श्री शशांक सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव के साथ 'नंदीश्वर द्वीप विधान' संपन्न किया।

भक्ति और अनुष्ठान का संगम

सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र बडजात्या ने बताया कि बुधवार को विधान के दूसरे दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लग गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से अष्ट द्रव्य चढ़ाकर भगवान की आराधना की। मुनिश्री के मांगलिक प्रवचनों के साथ संपूर्ण पंडाल मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने नंदीश्वर द्वीप की रचना के समक्ष अर्घ्य समर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की।

3 मार्च तक चलेंगे धार्मिक कार्यक्रम

आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील जैन पहाड़िया ने जानकारी दी कि अष्टान्निका पर्व के अंतर्गत यह धार्मिक अनुष्ठान 3 मार्च तक निरंतर जारी रहेगा। विधान के दौरान प्रतिदिन शांतिधारा, पूजन और सायं काल में महाआरती व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

समिति की सक्रिय भागीदारी

आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और स्थानीय महिला मंडल सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के समापन तक प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें मानसरोवर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन समाज के बंधु भाग ले रहे हैं।

गंगेगौरी बलकेश्वर जैन मंदिर में हो रहा विधान मिल रहा गुरुमां का मंगल सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, गंगेगौरी बलकेश्वर में आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का तीसरा दिन 26 फरवरी को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण 'णमो अरिहंताणं' के मंगलमय उच्चारण से गूंजायमान हो उठा। तीसरे दिन भक्तों ने पूर्ण विधि-विधान के साथ मंगलाचरण, अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा संपन्न की। श्रद्धालुओं ने विधान की सभी मांगलिक क्रियाओं को गहन भक्ति भाव से पूर्ण करते हुए धर्मलाभ अर्जित किया। ब्रह्मचारी सुनील भैया जी के निर्देशन में अर्घ्य समर्पण एवं मंत्रोच्चार के साथ विधान की प्रक्रियाएं आगे बढ़ीं, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। अनुशासित एवं श्रद्धामय वातावरण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की। दोपहर सत्र में आर्यिका माताजी श्री के प्रेरक प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को धर्म, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विधान केवल बाहरी अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मचिंतन और कर्मनिर्जरा का सशक्त माध्यम है। यदि श्रद्धा और समर्पण भाव से धर्म आराधना की जाए, तो जीवन में शांति और संतुलन स्वतः प्राप्त होता है। सायंकाल भव्य मंगल आरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान जिनेन्द्र की आराधना की। आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो उठा तथा भक्तों ने सामूहिक रूप से धर्म आराधना का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रवीण जैन, राजीव जैन, अरुण जैन, अंशुल जैन, पारस जैन, अनुज जैन, मुकेश जैन, सुमित जैन सहित बलकेश्वर जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाजजनों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को और अधिक सफल एवं प्रभावशाली बना दिया।

भक्ति के रंग में रंगा बलकेश्वर: कल्पद्रुम महामंडल विधान में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, गंगेगौरी बलकेश्वर में इन दिनों अध्यात्म की अमृत वर्षा हो रही है। आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित 'श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ' के तीसरे दिन गुरुवार को श्रद्धालुओं ने अटूट श्रद्धा और उल्लास के साथ धर्म लाभ लिया। तड़के से ही मंदिर परिसर 'णमो अरिहंताणं' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

मंत्रोच्चार और अभिषेक से महका परिसर

तीसरे दिन की क्रियाओं का शुभारंभ मंगल मंगलाचरण, भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। ब्रह्मचारी सुनील भैया के कुशल निर्देशन में भक्तों ने वेदी पर अर्घ्य समर्पित किए। विशेष मंत्रोच्चार और संगीत की लहरों के बीच जब श्रद्धालुओं ने विधान की मांगलिक क्रियाएं पूर्ण कीं, तो पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया।

माताजी का संदेश: आत्मशुद्धि का मार्ग है विधान

दोपहर के सत्र में आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी ने अपने प्रेरक प्रवचनों से भक्तों को निहाल किया। उन्होंने जीवन में संयम और आत्मकल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि– विधान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि और संचित कर्मों की निर्जरा का एक सशक्त माध्यम है। सांसारिक मोह से ऊपर उठकर प्रभु भक्ति में लीन होना ही वास्तविक सुख है।

दीपकों की लौ से जगमगाया मंदिर

संध्या काल में भगवान जिनेंद्र की भव्य मंगल आरती का आयोजन किया गया। सैकड़ों दीपकों की लौ और भक्ति गीतों ने वातावरण को अलौकिक बना दिया। इस अवसर पर प्रवीन जैन, राजीव जैन, अरुण जैन, अंशुल जैन, पारस जैन, अनुज जैन, मुकेश जैन और सुमित जैन सहित बलकेश्वर जैन समाज के अनेक गणमान्य जन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अनिता छाबड़ा महिला मंडल की ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित, नई कार्यकारिणी घोषित

निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन गुरुवार को 'बंपुई वालों की धर्मशाला' में आयोजित बैठक में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से अनिता छाबड़ा (रजवास) को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नई कार्यकारिणी में संगीता संघी को मंत्री और उर्मिला सोगानी को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही अनुभवी सदस्य शशी सोगानी एवं शकुंतला छाबड़ा को संरक्षक मनोनीत किया गया। प्रचार संयोजक संजू पाटनी जौंला ने बताया कि समाज के शीर्ष नेतृत्व ने नई टीम पर भरोसा जताते हुए समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। मनोनयन के पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष अनिता छाबड़ा और उनकी टीम का माला व दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संतोष जैन, विजया टोंग्या, शिखरचंद काला, त्रिलोकचंद हरभगतपुरा और ज्ञानचंद सोगानी सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष उपस्थित रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज की एकता और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

शहीद दिवस

चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क, जिसे आज चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है, में अंग्रेजी पुलिस से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की। उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में हुआ था। उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गांव में बीता, जहां उनके मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने और निशानेबाजी में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनके क्रांतिकारी जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई। उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद जब उन्हें अदालत में पेश किया गया, तो उन्होंने अपना नाम 'आजाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और पता 'जेलखाना' बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़ों की मार सहनी पड़ी, किंतु उनके आत्मसम्मान और साहस ने उन्हें पूरे देश में 'आजाद' के नाम से अमर कर दिया। उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें शिक्षा के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला और वे स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी मार्ग पर अग्रसर हो गए। उनकी जुबान पर अक्सर यह पंक्तियां रहती थीं 'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।' महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े। इस संगठन में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और राजेंद्र लाहिड़ी जैसे क्रांतिकारी शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 का काकोरी कांड महत्वपूर्ण घटना रहा।

संपादकीय

विरोध और मर्यादा के बीच

भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहां अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम सरकार की नीतियों और प्रधानमंत्रियों की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। संविधान के दायरे में इनकी सीमाएं, समय और मर्यादाएं तय हैं। ये अधिकार जन-व्यवस्था को बाधित करने या देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने का लाइसेंस नहीं देते। हाल ही में दिल्ली में

आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया कृत्य इसी मर्यादा का उल्लंघन प्रतीत होता है। एक वैश्विक मंच, जहां दुनिया भर के प्रतिनिधि मौजूद थे, वहां घुसकर उत्पात मचाना किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। विरोध करने के लिए पूरी राजधानी और देश खाली पड़ा है, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन को निशाना बनाना देश के मान-सम्मान पर प्रहार है। यही कारण है कि न केवल जनता, बल्कि कांग्रेस के कई सहयोगी दलों ने भी इस 'हुड़दंग' से किनारा कर लिया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आपराधिक साजिश, दंगे और लोकसेवक पर हमले जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है, लेकिन विडंबना यह है कि मुख्य विपक्षी दल इन उपद्रवियों को 'बब्बर शेर' बताकर महिमामंडित कर रहा है। इस पूरे विवाद को अब 'व्यापार समझौता बनाम किसान' का रंग दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित 'किसान महाचौपाल' इसी राजनीति का हिस्सा है। मध्य प्रदेश को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश का 45 फीसदी सोयाबीन पैदा होता है। विपक्ष का आरोप है कि अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते से सोयाबीन और कपास किसान बर्बाद हो जाएंगे लेकिन तथ्यों का धरातल कुछ और ही कहता है। भारत अपनी खाद्य तेल की जरूरतों के लिए दशकों से विदेशों पर निर्भर है। हम लगभग 60 फीसदी सोयाबीन और खाद्य तेल अर्जेंटीना से और 20 फीसदी ब्राजील से आयात करते हैं। अमेरिका से होने वाला आयात मात्र 2 फीसदी है। भारत हर साल करीब 1.61 लाख करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन खपत की तुलना में बहुत कम है। अगर आयात से ही देश 'बिकता' है, तो यह प्रक्रिया दशकों से जारी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए देश को 'बेच' दिया और डेटा अमेरिका को सौंप दिया। लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है, उनकी बातों में वजन होना चाहिए। मगर कड़वा सच यह है कि अभी अमेरिका के साथ कोई अंतिम व्यापार समझौता हुआ ही नहीं है। केवल एक 'फ्रेमवर्क' तैयार हुआ था, जिस पर अब अमेरिकी सर्वोच्च अदालत के 'अवैध टैरिफ' वाले फैसले के बाद दोनों पक्ष पुनर्विचार कर रहे हैं। जब डील ही फाइनल नहीं हुई, तो देश बेचने का विमर्श खड़ा करना जनता को भ्रमित करने जैसा है। वाणिज्य और कृषि मंत्रालय लिखित रूप में स्पष्ट कर चुके हैं कि किन संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों को अमेरिकी पहुंच से बाहर रखा गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नारंगी अर्थव्यवस्था

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां वह विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा है। औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता, डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है। इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में 'भारतीय सृजनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान' का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दूरगामी दृष्टि का परिचायक है।

सजीव चित्रण (एनीमेशन), दृश्य प्रभाव, क्रीड़ा-तकनीक और विस्तारित वास्तविकता जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का संदेश समेटे हुए है।

प्रतिभा का लोकतंत्रीकरण

हमारी सृजनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें मेधा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूंजी है। भौगोलिक सीमाएं या भारी बुनियादी ढांचा इसके लिए अनिवार्य नहीं हैं। एक छोटे शहर या ग्रामीण परिवेश से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे, तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी महती भूमिका निभा सकता है। संस्थान का वर्ष 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का विस्तार है। यह केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है, जो वंचित तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संस्थान की संरचना और ध्येय

मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है, जहां उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है। प्रारंभिक चरण में इसका संचालन राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम परिसर से आरंभ किया गया है। वर्तमान संरचना में अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल प्रयोगशालाएं, ध्वनि सज्जा स्टूडियो और पेशेवर स्तर के प्रदर्शन गृह (थिएटर) शामिल हैं। यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि उद्योग-संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है। संस्थान का 'नवप्रवर्तन केंद्र' नवीन विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराता है। यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय 'रोजगार सृजक' बनने की प्रेरणा देता है। गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित 10 एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकांक्षी कदम है, जो भविष्य में वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का केंद्र बनेगा। 'नारंगी अर्थव्यवस्था' (ऑरेंज इकोनॉमी) की अवधारणा सृजनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है। इसमें संस्कृति, कला, संचार, रूपरेखा (डिजाइन) और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं। विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है। भारत, जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है, इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है। यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता और लोककथाएं आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत की जाएं, तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकती हैं।

मानवता की सेवा: सांगानेर संघी जी मंदिर कमेटी ने महावीर चिकित्सालय को भेंट किए 5 लाख के चिकित्सा उपकरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर संघी जी (सांगानेर) की कार्यकारिणी ने महावीर नगर स्थित भगवान महावीर चिकित्सालय को आधुनिक चिकित्सा उपकरण भेंट किए। सांगानेर कमेटी द्वारा लगभग पाँच लाख रुपये मूल्य के उपकरण दान करने पर महावीर नगर प्रबंध समिति ने उनका भव्य अभिनंदन किया।

बेहतर सुविधाओं के लिए समर्पित सहयोग

चिकित्सालय प्रभारी नीरज गंगवाल ने जानकारी दी कि सांगानेर कमेटी की ओर से चिकित्सा पलंग (बेड्स), बेंच, स्टूल, व्हीलचेयर और बी.पी. इंस्ट्रूमेंट जैसे महत्वपूर्ण उपकरण प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस चिकित्सालय में प्रतिदिन 150 से 200 मरीज उपचार के लिए आते हैं। इन नए उपकरणों के आने से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा और उनका उपचार अधिक सुगमता से हो सकेगा।

कार्यकारिणी का हुआ सम्मान

इस सेवा कार्य के लिए मंदिर प्रबंध समिति महावीर नगर के अध्यक्ष हरीश धाडुका, मंत्री सुनील बज और कोषाध्यक्ष गिरीश बाकलीवाल ने सांगानेर कमेटी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप-प्रभारी दर्शन बाकलीवाल, प्रवीण जैन, शरद ठोलिया, सुभाष आसाम वाले, रमेश चंद जैन, चक्रेश जैन, भानु छाबड़ा, राकेश पहाड़िया, माणकचंद पांड्या और एडवोकेट संदीप सोगानी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। मंत्री सुनील बज ने सांगानेर कार्यकारिणी की इस उदारता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग समाज और मानवता के कल्याण के लिए प्रेरणादायी हैं।

पोद्दार मूक बधिर स्कूल में 300 से अधिक बच्चों की नेत्र जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पीटल, रोटरी क्लब ऑफ जयपुर साउथ व कैनेडियन विजन केयर टीम के प्रसिद्ध डाक्टरो के सहयोग से बधिर बच्चों के लिए निःषुल्क नेत्र जांच षिविर जेएलएन मार्ग स्थित राजकीय सेठ आनंदी लाल पोद्दार मूक बधिर स्कूल में आयोजित किया। इस मोके पर करीब 300 से अधिक बच्चों की आंखों की जांच कर चष्में वितरित किए गए। शिविर का शुभारंभ भगवान महावीर विकलांग समिति के अध्यक्ष पदमश्री डॉ.डीआर मेहता, जयपुर कैलगरी आई हॉस्पिटल के डॉ. नवल अग्रवाल, ,डॉ. अन्नू कौल,चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए एस एस भंडारी,रोटरी क्लब ऑफ जयपुर साउथ के रत्नेश कश्यप,पंगिया नेचुरल स्टोन इंक. के सीईओ संजय निखंज व आयोजक सौरभ टक ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस मौके पर राजकीय सेठ आनंदी लाल पोद्दार मूक बधिर स्कूल के प्राचार्य भरत जोशी के साथ अन्य स्टॉफ भी मौजूद रहां। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कैनेडियन विजन केयर टीम ने 300 से अधिक बच्चों की जांच की गइ। शिविर में टीम ने अपवर्तक दोष व नेत्र रोगों की जाँच कर जरूरतमंद बच्चों तथा वयस्कों

को निःशुल्क प्रिस्क्रिप्शन चश्मे वितरित किए,जिन मरीजों को सुधारात्मक सर्जरी या उन्नत नेत्र चिकित्सा की आवश्यकता होगी, उन्हें जयपुर कैलगरी आई हॉस्पिटल में रेफर किया जाएगा, जहाँ ऐसी सर्जरियाँ भी मरीजों के लिए पूरी तरह मुफ्त होंगी और कैनेडियन विजन केयर द्वारा पूर्ण रूप से प्रायोजित की जाएँगी।

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर
105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था
105 वर्ष
विशाल होली स्नेह मिलन
फूलों की रंगारंग होली
चंग ढप की विशेष प्रस्तुति
भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग)
के कलाकारों द्वारा
रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे
स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर
मुख्य अतिथि :
समाजसेवी श्री राकेश जी गोदिका
श्रीमती समता जी गोदिका
प्रकाशक : शाबास इंडिया समाचार पत्र
दीप प्रज्ज्वलनकर्ता :
समाजसेवी श्री गजेन्द्र जी पाटनी
श्रीमती सीमा जी पाटनी
कीर्ति नगर
महेश काला
अध्यक्ष
आप सादर आमंत्रित है।
भानु कुमार छाबड़ा
मानद् मंत्री
प्रदीप गोधा
उपाध्यक्ष
सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री
राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष
शरद बाकलीवाल
स्टोर इंचार्ज
कार्यकारिणी सदस्य
अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • अतुल बोहरा • योगेश टोडरका • महेश बाकलीवाल
सहवृत्त सदस्य
निर्मल पाटनी • मितेश ठोलिया • पंकज अजमेरा "दातारामगढ़" • सौरभ गोधा
विशेष आमंत्रित
ओमप्रकाश बड़जात्या • सौभागमल जैन • सिद्धार्थ बड़जात्या • कान्ति चन्द नृपत्या
नरेश कासलीवाल
संयोजक
सुरेश भौंच
सह संयोजक
योगेश टोडरका
सह संयोजक

टोंक में स्वास्थ्य जागरूकता का भव्य आगाज: महासमिति और फोर्टिस के सहयोग से उमड़ी 100 से अधिक महिलाएं

टोंक. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल (जिला टोंक) के तत्वावधान में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल, जयपुर के सहयोग से आयोजित ''स्वास्थ्य वार्ता'' का टोंक में भव्य आयोजन हुआ। होटल शकुंतलम में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में लगभग 100 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

अतिथियों का भावपूर्ण अभिनंदन

कार्यक्रम के शुभारंभ पर महिलांचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका और अंचल सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल के आगमन पर टोंक जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रेखा जैन एवं स्थानीय सदस्यों द्वारा तिलक लगाकर, साफा और दुपट्टा पहनाकर भावपूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर पर निवाई अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन, अलीगढ़ अध्यक्ष श्रीमती खुशी जैन एवं सचिव श्रीमती सुनीता जैन की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिए स्वास्थ्य मंत्र

स्वास्थ्य वार्ता सत्र में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने महिलाओं को विभिन्न रोगों के प्रति सचेत किया: डॉ. राहुल सिंघल (कार्डियोलॉजी एवं इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी) ने हृदय स्वास्थ्य और अनियमित धड़कन पर चर्चा की। डॉ. मनीष राजपुरोहित (इंटरवेंशनल एवं वैस्कुलर रेडियोलॉजी) ने आधुनिक रेडियोलॉजी तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. जीतेंद्र कुमार शर्मा ने कैंसर के लक्षणों और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। चिकित्सकों ने महिलाओं द्वारा पूछे गए स्वास्थ्य संबंधी जटिल प्रश्नों का समाधान सुझाया और उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

सराहनीय पहल और आभार

चिकित्सकों की टीम ने महिलाओं के लिए ऐसे उपयोगी कार्यक्रम के आयोजन हेतु श्रीमती शकुंतला बिंदायका, सुनीता गंगवाल, सरोज बंसल और रेखा जैन की पूरी टीम की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान टोंक संभाग द्वारा चाय-नाश्ते एवं उत्कृष्ट भोजन की व्यवस्था की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने महिलाओं में स्वास्थ्य चेतना जाग्रत करने की इस प्रेरणादायी पहल के लिए आयोजकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सुंदर प्रबंधन हेतु आंचल सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रेखा जैन का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

भीलवाड़ा में सजा 'मिनी महाकुंभ': धर्मसत्ता और राजसत्ता के संगम के बीच तीन युवाओं ने ली संत दीक्षा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा के इतिहास में 26 फरवरी का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया। हरि शेवा उदासीन आश्रम में आयोजित 'सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह' ने उस समय एक 'मिनी महाकुंभ' का रूप ले लिया, जब देश भर के ख्यातनाम महामंडलेश्वरों और संतों की उपस्थिति के बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस उत्सव के साक्षी बने। धर्मसत्ता और राजसत्ता के इस दुर्लभ संगम ने सनातन संस्कृति के गौरव को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं।

तीन नए संतों का उदय: ब्रह्मचारी से सन्यासी तक का सफर

समारोह का मुख्य आकर्षण तीन ब्रह्मचारियों–इन्द्रदेव, कुनाल और सिद्धार्थ की दीक्षा रही। उदासीन अखाड़े की रीतियों के अनुसार दीक्षा ग्रहण करने के बाद इनके नए सन्यासी नाम क्रमशः ईशानराम उदासीन, केशवराम उदासीन और सुयज्ञराम उदासीन घोषित किए गए। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज जब इन नव-दीक्षित संतों को भगवा वस्त्रों में मंच पर लेकर आए, तो पूरा पंडाल 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। स्वामी हंसराम ने कहा कि अब इनका गृहस्थ जीवन से संबंध समाप्त हो गया है और सनातन की सेवा ही इनका एकमात्र धर्म होगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सनातन का पुनरुत्थान: डॉ. मोहन यादव

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में 'वसुधैव कुटुंबकम' के भाव के साथ सनातन संस्कृति का गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है। उन्होंने अयोध्या और काशी का जिक्र करते हुए कहा, बाबा विश्वनाथ काशी में जगमगा रहे हैं और बहुत जल्द मथुरा में कन्हैया भी मुस्कुराएंगे। डॉ. यादव ने सभी को वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले 'सिंहस्थ महाकुंभ' के लिए आमंत्रित भी किया।

संतों का मार्गदर्शन और सामाजिक संदेश

समारोह की अध्यक्षता कर रहे उदासीन कार्ष्णि पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी गुरुशरणानंद महाराज (रमणरेती) ने कहा कि संत समाज के अंधकार को मिटाने वाले आध्यात्मिक दीपक होते हैं। वहीं, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज और राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम दक ने भी सनातन की रक्षा और मजबूती पर बल दिया। भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने संतों का अभिनंदन किया। स्वामी हंसराम महाराज ने स्पष्ट किया कि यह आयोजन किसी जाति विशेष का नहीं, बल्कि 'सर्व सनातन' का था, जिसका ध्येय 'एक संगत, एक पंगत' रहा। उन्होंने बताया कि जजमान से दक्षिणा के रूप में मात्र एक रुपया और श्रीफल स्वीकार कर त्याग की मिसाल पेश की गई है।

भक्ति और उल्लास का वातावरण

समारोह में अयोध्या राम मंदिर के प्रसंगों पर उत्साह देखा गया। अंत में संतों ने नव-दीक्षित शिष्यों को शॉल ओढ़ाकर और माला पहनाकर आशीर्वाद दिया। श्रद्धालुओं में नव-दीक्षित संतों के अभिनंदन के लिए भारी उत्साह देखा गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पदमपुरा में ऐतिहासिक दीक्षा

आचार्य वर्धमान सागर जी ने प्रदान की क्षुल्लक दीक्षा, कहा—'पीछी और कमंडल ही संयम के आधार'

पदमपुरा (जयपुर). शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। वात्सल्य वारिधि, पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में गुरुवार को दो मुमुक्षुओं ने क्षुल्लक दीक्षा अंगीकार की। इस अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि राजस्थान की धरा पर पदमपुरा का यह अतिशय ही है कि यहाँ पहली बार मुनि, आर्यिका, क्षुल्लक और क्षुल्लिका चारों श्रेणियों की दीक्षाएं संपन्न होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

संयम के उपकरणों का महत्व

दीक्षा संस्कार के पश्चात मंगल देशना देते हुए आचार्य श्री ने बताया कि जैन साधु के पास रहने वाली मयूर पंख की कोमल पीछी केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि दया धर्म का प्रतीक है, जिससे सूक्ष्म जीवों की रक्षा होती है। कमंडल शौच और शुद्धि के लिए है, जबकि शास्त्र ज्ञान की वृद्धि का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दीक्षा मोक्ष का मार्ग है और अणुव्रत जीवन में मयार्दा लाते हैं।

फोटो : सतीश अकेला

उम्र की सीमा नहीं, भाव प्रधान हैं: 30 वर्षीय और 78 वर्षीय साधक बने क्षुल्लक

आचार्य श्री ने स्पष्ट किया कि वैराग्य और दीक्षा के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। उन्होंने एक ओर 30 वर्षीय बाल ब्रह्मचारी सत्यम भैया (महाराष्ट्र) को दीक्षा दी, तो दूसरी ओर 78 वर्षीय वृद्ध ब्रह्मचारी लादूलाल जी (मध्य प्रदेश) को संयम पथ पर अग्रसर किया। 78 वर्षीय ब्रह्मचारी लादूलाल जी दीक्षा के उपरांत क्षुल्लक श्री सुभग सागर जी बने। 30 वर्षीय बाल ब्रह्मचारी सत्यम भैया अब क्षुल्लक श्री सुगुप्त सागर जी के नाम से जाने जाएंगे।

दीक्षा विधि और संस्कार

समारोह का शुभारंभ मुमुक्षुओं के केशलोचन से हुआ, जो स्वयं आचार्य श्री एवं संघस्थ मुनिराजों द्वारा संपन्न किया गया। दीक्षार्थियों ने मंगल स्नान के पश्चात भगवान पदमप्रभ का पंचामृत अभिषेक किया। सौभाग्यशाली महिलाओं ने चौक पूरकर मांगलिक क्रियाएं कीं। आचार्य श्री ने मस्तक और हाथों पर अणुव्रत के संस्कार किए और धोती-दुपट्टे के स्थान पर लंगोट व दुपट्टा धारण कराकर उन्हें नया 'ड्रेस और एड्रेस' (वेश और परिचय) प्रदान किया।

आचार्य श्री का स्वर्णिम संयम काल

संघस्थ आर्यीका श्री महायश मति माताजी के अनुसार, 76 वर्षीय आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने अपने 58 वर्ष के संयमी जीवन और 36 वर्ष के आचार्य पद के कार्यकाल में अब तक कुल 123 दीक्षाएं दी हैं। इनमें से 24 दीक्षाएं सिद्ध क्षेत्रों और 41 दीक्षाएं अतिशय क्षेत्रों में संपन्न हुई हैं। पदमपुरा कमेटी के हेमंत सोगानी, राजकुमार कोठारी सहित अनेक गणमान्य जनों ने नव-दीक्षित क्षुल्लकों को पीछी, कमंडल और शास्त्र भेंट किए।

तिथि भ्रम दूर: 31 नहीं, अब 30 मार्च को मनेगा भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

भगवान महावीर जन्म कल्याणक की तिथि को लेकर बने भ्रम के बीच जैन समाज के वरिष्ठ मुनिराजों ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया है। इंदौर के धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आगम और पंचांग के अनुसार, इस वर्ष यह महापर्व 31 मार्च के बजाय सोमवार, 30 मार्च को मनाया जाएगा। **मुनियों का मार्गदर्शन:** निर्यापक श्रमण मुनि श्री सुधासागर जी महाराज और मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने स्पष्ट किया कि चैत्र शुक्ल त्रयोदशी (तेरस) तिथि 30 मार्च को प्रातः 07 बजे प्रारंभ होकर 31 मार्च प्रातः 07 बजे समाप्त होगी। चूंकि 31 मार्च को सूर्योदय के मात्र कुछ समय बाद ही चौदस तिथि लग जाएगी, इसलिए उत्सव के सभी आयोजन 30 मार्च को करना ही शास्त्रसम्मत है। **सरकारी कैलेंडर में सुधार की मांग:** सरकारी कैलेंडर में 31 मार्च को अवकाश घोषित होने से समाज में संशय की स्थिति थी। हालांकि, जैन परंपराओं और ज्योतिष गणना के अनुसार, पूरे दिन तेरस तिथि 30 मार्च को ही विद्यमान रहेगी। मुनि संघों ने समस्त भारतवर्षीय जैन समाज से एकजुट होकर सोमवार, 30 मार्च को ही जन्म कल्याणक महोत्सव पूरी आस्था और उमंग के साथ मनाने का आह्वान किया है।

तलवंडी के राधा कृष्ण मंदिर में फागोत्सव की धूम: फूलों और गुलाल से खेली होली

कोटा. शाबाश इंडिया। तलवंडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर में 'प्रेम संकीर्तन मंडली' द्वारा फागोत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। उत्सव के दौरान सोनाली ने भगवान श्री कृष्ण और प्रमिला ने राधा रानी का मनमोहक स्वरूप धारण किया। मंडली की महिला सदस्यों—उषा सतीजा, नमिता सयाल, रचना चावला, प्रीति अदलखा, कमलेश गुप्ता और सुधा गुप्ता सहित सभी सखियों ने राधा-कृष्ण के संग फूलों और अबीर-गुलाल की होली खेली। कार्यक्रम में होली के भजनों पर महिलाओं ने उत्साहपूर्ण नृत्य किया, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। अंत में सभी ने एक-दूसरे को फागुन की बधाई दी और सामूहिक आरती के साथ उत्सव का समापन हुआ।

हर जैन धनवान नहीं

एक पीड़ादायक सत्य और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

नितिन जैन (पलवल). शाबाश इंडिया

समाज में वर्षों से एक धारणा घर कर गई है कि 'हर जैन संपन्न है'। व्यापारिक कुशलता और कुछ परिवारों की समृद्धि को पूरे समाज का चेहरा मान लेना एक बड़ा भ्रम है। वास्तविकता इस चमक-धमक से कोसों दूर है। सच तो यह है कि हमारे अपने समाज के भीतर अनेक परिवार ऐसे हैं, जो बुनियादी जरूरतों के लिए रोज संघर्ष कर रहे हैं। ये वे स्वाभिमानी लोग हैं जो अपनी अभावग्रस्तता का प्रदर्शन नहीं करते, न ही सोशल मीडिया पर अपनी व्यथा लिखते हैं। सहायता मांगने से पहले सौ बार सोचने वाली उनकी इस चुप्पी को 'संपन्नता' समझ लेना हमारी सबसे बड़ी भूल है।

भीतर का मौन संघर्ष

आज समाज की दूसरी तस्वीर यह भी है कि कई घरों में बच्चों की शिक्षा के लिए कर्ज लेना पड़ता है। कितनी ही माताएं अपनी इच्छाओं का गला घोंट देती हैं ताकि घर का बजट संतुलित रहे। कई योग्य बेटियां विवाह की प्रतीक्षा में हैं क्योंकि माता-पिता आर्थिक रूप से स्वयं को अक्षम पाते हैं। यह वह वर्ग है जो 'सफेदपोश' होने के कारण अपनी पीड़ा किसी से कह नहीं पाता और भीतर ही भीतर टूटने लगता है।

दिखावा बनाम करुणा

जब हम भव्य आयोजनों, विशाल मंचों और करोड़ों के दान की घोषणाओं में व्यस्त होते हैं, तब हमें आत्ममंथन करना चाहिए। क्या हमारी आत्मा हमें माफ करेगी यदि हमारे पड़ोस में ही कोई साधर्मी परिवार अभाव में आंसू बहा रहा हो? धर्म केवल उत्सवों और पूजा का नाम नहीं है; धर्म का वास्तविक अर्थ करुणा, संवेदना और परस्पर सहयोग है। यदि हम अपने ही भाइयों की पीड़ा नहीं समझ पाए, तो हमारी भक्ति अधूरी है।

आर्थिक सहायता से आगे: आत्मनिर्भरता का मार्ग

सहायता का अर्थ केवल धन देना नहीं है। किसी बच्चे की शिक्षा का व्यय उठाना, किसी बेरोजगार युवक को हुनर सिखाना या उसे रोजगार के अवसर दिलाना ही सच्ची सेवा है। समाज की मजबूती उसकी आर्थिक चमक में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता में निहित है। हमें इस भ्रम को तोड़ना होगा कि ₹हर जैन अमीर है।₹ जब तक हमारे समाज का एक भी परिवार अभाव में है, तब तक हमारी संपन्नता अधूरी और खोखली है। यदि सक्षम व्यक्ति संकल्प लें कि वे कम से कम एक जरूरतमंद परिवार का संबल बनेंगे, तो समाज का कोई भी सदस्य मजबूरी में गलत रास्ता नहीं चुनेगा। यही सच्चा धर्म है, यही समाज सेवा है और यही हमारे सुरक्षित भविष्य की नींव है।

धर्म, संस्कृति और मानव मूल्य ही भारतीय जीवन के आधार स्तंभ: स्वामी अवतार पुरी

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूज्य स्वामी अवतार पुरी जी महाराज गुरुवार को जयपुर पधारे, जहाँ श्याम नगर स्थित 'ओम विश्वगुरुदीप आश्रम' में श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सत्संग को संबोधित करते हुए स्वामी जी ने कहा कि धर्म, संस्कृति और मानव मूल्य भारतीय जीवन के मुख्य आधार स्तंभ हैं। स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि नैतिकता और कर्तव्यों का पालन है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम्की भावना पर बल देते हुए कहा कि सत्य, प्रेम और अहिंसा जैसे मानवीय मूल्य ही हमें उत्तम मनुष्य बनाते हैं। भारत की पहचान उसकी भौगोलिक सीमाओं से अधिक यहाँ की आध्यात्मिक परंपराओं और दर्शन से है, जिसने विश्व को जीवन जीने की कला सिखाई है। सत्संग के पश्चात स्वामी जी ने मोती डूंगरी गणेश जी के दर्शन कर राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उनके मुख्य सलाहकार कपिल अग्रवाल ने बताया कि स्वामी जी शुक्रवार को भवानी निकेतन प्रांगण में आयोजित होने वाले देश के सबसे बड़े पांडुलिपि कार्यक्रम ''ज्ञान भारतम्'' में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह प्रवास भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन की दृष्टि से अत्यंत प्रेरणादायक माना जा रहा है।

शास्त्र संरक्षण का महासंकल्प

जयपुर में आज जुटेगा देशभर के पीठाधीश्वरों का समागम

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम होने जा रहा है। जगद्गुरु श्री रामानंदाचार्य महाप्रभु के 825वें प्राकट्य महोत्सव के अवसर पर 'ज्ञान भारतम्मिशन' (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) और मंदिर श्री रघुनाथजी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'अखिल भारतीय मठ-पीठाधीश्वर समागम एवं शास्त्र संरक्षण समारोह' आयोजित किया जाएगा।

15 लाख ग्रंथों के संरक्षण का लक्ष्य

सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन में आयोजित होने वाले इस समारोह में 15 लाख प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण का महासंकल्प लिया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिशंकरदास जी वेदांती ने बताया कि इस मिशन के अंतर्गत देशभर के 215 पांडुलिपि धारकों और 60 केंद्रों के साथ महत्वपूर्ण अनुबंध किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य मंदिरों और मठों में दबी प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और उन पर शोध कार्य को गति देना है।

दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति

स्वामी ज्ञानश्वर पुरी महाराज के अनुसार, कार्यक्रम की अध्यक्षता जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्रीरामकृष्णाचार्य जी करेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कला एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सम्मिलित होंगी। यह समागम राष्ट्रीय स्तर का होगा, जिसमें कश्मीर से कन्याकुमारी तक के जगद्गुरु, पीठाधीश्वर और महामंडलेश्वर हिस्सा लेंगे। 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के पावन सान्निध्य में होने वाला यह आयोजन भारत की शास्त्रीय विरासत को सहेजने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा 1 मार्च को निःशुल्क चिकित्सा शिविर, अहमदाबाद के विशेषज्ञ देंगे सेवाएं

अजमेर (रोहित जैन)

अजमेरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत महावीर इंटरनेशनल के विभिन्न केंद्रों के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 1 मार्च 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक चंडक चिकित्सालय, मानसरोवर कॉलोनी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा।

अहमदाबाद के विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श

महावीर इंटरनेशनल क्षेत्र-3 के उपनिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएँ) अमनदीप जैन एवं उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल ने बताया कि शिविर में कृष्णा शेल्बी चिकित्सालय, अहमदाबाद के विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल अपनी सेवाएँ प्रदान करेगा। इसमें प्रमुख रूप से अस्थि एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ, मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ तथा कैंसर शल्य चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाएगा।

तैयारियों को दिया अंतिम रूप

अजयमेरू केंद्र के अध्यक्ष गजेंद्र पंचोली एवं पद्मावती इकाई की सचिव निकिता पंचोली ने जानकारी दी कि शिविर की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने हेतु समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष विजय जैन पांड्या, देवर्ष गंगवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष सुविधाएं और अपील

शिविर में विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे परामर्श हेतु अपने पुराने चिकित्सा प्रतिवेदन (रिपोर्ट) और जाँच पत्र साथ लेकर आएँ, ताकि विशेषज्ञ सटीक परामर्श दे सकें। महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निःशुल्क सेवा का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

सलेहा नगर में कल 'तप कल्याणक' महोत्सव का भव्य आयोजन: उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

सलेहा (म.प्र.). शाबाश इंडिया

धर्मनगरी सलेहा की पावन धरा पर चल रहे जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को 'तप कल्याणक' महोत्सव अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। पट्टाचार्य भगवन विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य और 'विचित्र बातें' प्रणेता मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज के परम भक्त अनुराग जैन ने बताया कि यह महोत्सव नगर के इतिहास में एक आध्यात्मिक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

वैराग्य और त्याग का अनूठा दृश्य

तप कल्याणक के अवसर पर भगवान के राजसी वैभव के त्याग और दीक्षा ग्रहण करने के दृश्यों का जीवंत चित्रण किया जाएगा। इस दौरान विशेष पूजन-विधान, वन गमन और दीक्षा संस्कार की मांगलिक क्रियाएं संपन्न होंगी। अनुराग जैन ने कहा कि तप कल्याणक हमें भगवान के उस दिव्य स्वरूप का स्मरण कराता है, जब उन्होंने कठोर तपस्या के माध्यम से आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त किया था। परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से संपन्न हो रहे इस आयोजन को लेकर संपूर्ण क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह है। महोत्सव समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सलेहा नगर पूरी तरह धर्ममय वातावरण में सराबोर है और उम्मीद है कि हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी बंधु इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। यह महोत्सव न केवल समाज की एकजुटता का प्रतीक है, बल्कि युवा पीढ़ी के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन संस्कारों की प्रेरणा का स्रोत भी बनेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में औद्योगिक परिदृश्य में आ रहा अभूतपूर्व बदलाव

राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 से उद्योगों को मिलेगा बेहतर बुनियादी ढांचा, औद्योगिक पार्क बनेंगे राज्य की विकास यात्रा के इंजन, बढ़ेगा निवेश, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के भरपूर अवसर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को निवेश एवं उद्योग में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर आधारभूत संरचनाएं, विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न नवाचारों से राजस्थान को देश में उद्योग का प्रमुख डेस्टिनेशन बनाया जाए। इसी क्रम में सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई जाएगी। इस नीति का मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में अनुमोदन किया गया है। इस नीति से राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। साथ ही, इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को गति देने के लिए औद्योगिक पार्क की स्थापना महत्वपूर्ण है। औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति प्रधानमंत्री के राइजिंग, रिलायबल एण्ड रिसेप्टिव राजस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक निवेश के इको-सिस्टम को मजबूत करने का प्रयास है। ये प्रदेश की विकास यात्रा के इंजन साबित होंगे। इस नीति के अंतर्गत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ तक के पार्क हेतु 20 करोड़ रुपए, 100 से 250 एकड़ हेतु 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल हेतु 40 करोड़ रुपए होगी। इस नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा तथा औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा, इस हेतु सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपए प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

पीपीपी मॉडल से निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

इस नीति से प्रदेश के औद्योगिक अवसंरचना विकास में पीपीपी मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सहयोग से निवेश बढ़ेगा तथा निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए उद्योगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी। नीति के तहत विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, भूमि-जल-ऊर्जा संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग तथा लॉजिस्टिक्स सुविधाएं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के क्षेत्र में लिए जा रहे निर्णयों से प्रदेश में औद्योगिक क्रांति का नया युग शुरू हुआ है। सरकार द्वारा राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति, एक जिला-एक उत्पाद नीति, एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, नवीन खनिज जैसी अनेक नीतियां जारी की गई। साथ ही, राइजिंग राजस्थान के आयोजन से हुए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

मानवता और आस्था का संगम

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने पदयात्रियों को वितरित किया जल और फल

जयपुर. शाबाश इंडिया। खाटूधाम में आयोजित हो रहे फाल्गुनी लक्खी मेले के पावन अवसर पर 'कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट' ने अपनी अटूट श्रद्धा और सेवा भाव का परिचय दिया। संस्था द्वारा वीरवार को रींगस से खाटू मार्ग पर बढ़ रहे हजारों पदयात्रियों के लिए 5000 बोतल शीतल जल और 500 किलो फल वितरण का विशाल सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दशक भर से सेवा का संकल्प

संस्था पिछले 10 वर्षों से निरंतर सामाजिक सरोकार के कार्यों में संलग्न है। ट्रस्ट के माध्यम से प्रतिदिन 800 निर्धन व्यक्तियों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त, असहाय बालिकाओं की शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, नेत्र जाँच शिविर, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान जैसे कार्यों से संस्था समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

भक्तिमय वातावरण में सेवा

पदयात्रियों के लिए आयोजित इस जल और फल सेवा का श्याम प्रेमियों ने जमकर लाभ उठाया। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में संस्था के संस्थापक डॉ. सुनील कुमार शर्मा, उप-संस्थापक रमेश चंद शर्मा, पंडित मोहित मुद्गल, विजय अग्रवाल सहित ट्रस्ट के सभी संयोजकों ने समर्पित भाव से अपनी सेवाएँ दीं। संस्थापकों ने बताया कि भक्तों की सेवा करना ही ईश्वर की वास्तविक आराधना है। पदयात्रियों के चेहरों पर मुस्कान और उनके उत्साह को देखकर पूरी टीम अभिभूत नजर आई।